क्र. सं.	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रुप से
	5/4/23	पत्रावली पेश हुई। पी0ओ0 साहब अन्य राज्य कार्य में व्यस्त है। अत: पत्रावली पूर्वानुसार दिनांक 24/4/23 को पेश हों।
	24/4/23	पत्रावली पेश हुई। पी0ओ0 साहब अन्य राज्य कार्य में व्यस्त है। अत: पत्रावली पूर्वानुसार दिनांक 2/5/23 को पेश हों।
	2/5/23	पत्रावली पेश हुई। पी0ओ0 साहब अन्य राज्य कार्य में [illegible] है। अत: पत्रावली [illegible]नुसार दिनांक 8/5/23 को पेश हों।
	8/5/23	पत्रावली पे[illegible]ओ0 साहब [illegible] [illegible] व्यस्त है। अत: प[illegible] [illegible] दिनांक 10/7/23 को [illegible]
	10/7/23	पत्रावली प्रस्तुत हुई। पी0ओ0 साहब के [illegible] कारण [illegible] 25/7/23 को प्रस्तु[illegible]
	~~[illegible]~~ 17/7/23	यह पत्रावली आज दिनांक को प्रार्थी पत्र बाबत शीघ्र सुनवाई हेतु व प्रार्थ[illegible] पत्र वादकर्ता किए जाने के पश्चात [illegible] नियत तारीख पेशी से तलब की जाक[illegible] पेश हुई। प्रार्थनापत्र शामिल मिसिल[illegible]

P.T.

फर्द अहकाम

वाद ______________________________

सूरज यादव __________ बनाम __________ ओमशिव डेयरीज

संख्या /वर्ष : 149/2021

दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
7/7/23	पत्रावली पेश हुई। अधिवक्तागण उभयपक्ष उपस्थित। प्रार्थी / वादी की ओर से प्रार्थनापत्र बाबत वाद विड्रॉ किए जाने के प्रस्तुत किया गया। शामिल मिसल। प्रार्थनापत्र में वर्णित तथ्यों को दोहराते हुए प्रार्थी द्वारा कथन किया गया है कि पक्षकारान के मध्य आपसी समझाईश / सहमति से राजीनामा हो गया है जिससे वादी अब प्रकरण में वादपत्र के जरिये कोई अनुतोष न्यायालय हाजा से नहीं चाहता है तथा प्रकरण को आगे नहीं चलाना चाहकर इसी स्तर पर प्रत्याहरित (विड्रॉ) करना चाहता है। अतः प्रा. पत्र स्वीकार किया जाकर वाद वादी विड्रॉ की अनुमति दी जावे। प्रार्थी वादी द्वारा स्वयं की पहचान के सन्दर्भ में आधारकार्ड की स्वप्रमाणित प्रति पेश की है तथा प्रार्थी की पहचान प्रार्थी अधिवक्ता श्री कृष्ण कान्त शर्मा द्वारा भी की गई है। हमने प्रार्थी वादी को सुना, तथ्यों पर मनन किया। चूँकि स्वयं वादी अब प्रकरण को आगे नहीं चलाना चाहकर इसी स्तर पर विड्रॉ करना चाहता है। अतः लोक अदालत की भावना के	सूरज यादव [signature]

P.T.O.

सूरज बनाम मै. ओमश्रिव प्रोपर्टीज

वाद क्र. 1549/2024

क्र. सं.	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रुप से
	~~[illegible]~~ 17/07/24	दृष्टिगत प्रार्थी/वादी का प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाकर वाद वाली विड्रॉ के आधार पर खारिज किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर दर्ज नम्बर रजिस्टर हो। बाद तामील दाखिल दफ्तर हो। उपखण्ड अधिकारी जयपुर द्वितीय (सांगानेर)